तेरा साथ है कितना प्यारा-4

“आशीष अपने एक हाथ से मेरी इस चिकनी चमेली को सहला रहे थे और दूसरे हाथ से मेरी चूचियों से खेल रहे थे, उनके होंठों का रस लगातार मेरे चुचूकों पर गिर रहा था। ...”

Story By: (funny123)
Posted: Saturday, July 5th, 2014
Categories: इंडियन बीवी
Online version: तेरा साथ है कितना प्यारा-4

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

तेरा साथ है कितना प्यारा-4

अपनी योनि को अच्छी तरह धोने के बाद मैं वापस अपने कमरे में आई तो देखा आशीष अपना नाईट सूट पहनकर टीवी देखने लगे।

मैं भी अब पहले से बहुत अच्छा अनुभव कर रही थी, आते ही आशीष की बगल में लेटकर टीवी देखने लगी। पता ही नहीं लगा कि कब मुझे नींद आ गई।

सुबह जब मैं जगी तो बिल्कुल फ्रेश थी आज का दिन मुझे अपनी ससुराल में सबसे अच्छा लग रहा था।
आशीष फैक्ट्री चले गये, मैं अपने रोजमर्रा के कामों से फ्री होकर दिन में फिर से सो गई।

आज उम्मीद थी कि फिर से कुछ नया होगा।

मैंने शाम को फ्री होते ही नहा धोकर मेकअप किया, अच्छी साड़ी पहनकर तैयार हुई, लिप्स्टिक, आई लाइनर और पता नहीं क्या-क्या रगड़ डाला चेहरे पर।आखिर आशीष को आकर्षित जो करना था।

हुआ भी वही, आशीष शाम को फैक्ट्री से घर आये जैसे ही मुझे देखा एकदम बोले- नयना… आज तो सच में पटाखा लग रही हो। लगता है घायल करने के मूड में हो…

मैं मन ही मन बहुत खुश थी, रात को मिलने वाले सुख की आशा में रोमाँचित भी।

रात का खाना खाकर मैं जल्दी से कमरे में आई और नाइट गाऊन पहन कर आशीष का इंतजार करने लगी।कुछ देर मम्मी पापा के साथ समय बिताने के बाद आखिर आशीष भी कमरे में आ ही गये।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने मुस्कुरा कर उनका स्वागत किया, पर आज कमरे में आते ही उन्होंने दरवाजा बंद किया और मुझे गले से लगाते हुए बोले- तुम इतनी सुन्दर हो मुझे तो अंदाजा ही नहीं था। मैं भी आने वाले सुखद पलों को सोचते सोचते उनकी बाहों में सिमट गई, उन्होंने अपने होंठ मेरे तपते हुए होंठों पर रख दिये।

हालांकि मैं भी यही चाहती थी परन्तु आशीष की तरफ से इस तरह के अप्रत्याक्षित हमले के लिये मैं तैयार नहीं थी, मैं बिदककर उनसे दूर हट गई।

आशीष किसी शिकारी की तरह मुझे पर झपटे, और मुझे बाहों में लेकर बिस्तर पर गिर गये।

हाययय… आशीष तो पागलों की तरह मुझे चूमने लगे, मेरा नाइट गाउन उन्होंने उतार फेंका, अब तो मैं भी इस कामानन्द के लिये तैयार हो चुकी थी, मैं भी आशीष की शर्ट के बटन खोलने लगी।

आशीष ने मेरी मदद की और शर्ट उतार फेंकी, बनियान उन्होंने खुद ही उतार दी।
मेरे सामने आशीष ऊपर से नंगे थे, मैं भी उनके सामने सिर्फ पैंटी में थी।

पिछली रात वाला खेल हम दोनों के बीच फिर से शुरू हो गया, आज मैं भी थोड़ा थोड़ा साथ देने लगी।

फिर आज भी वो ही हुआ आशीष ने मेरे पूरे बदन को इतना चूमा और चाटा कि मेरा योनि रस टपकने लगा, मैं उठी बाथरूम में जाकर फ्रैश हुई, वापस आकर देखा आशीष बिल्कुल नार्मल मूड में नाइट सूट पहनकर टीवी देख रहे थे। मैं भी उनके साथ टीवी देखते देखते सो गई।

अब तो यही हम दोनों की रतिचर्या बन गई।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

आशीष रोज रात को मेरे बदन का भरपूर मर्दन करके मुझे डिस्चार्ज कर देते और मैं संतुष्ट होकर सो जाती।

धीरे धीरे ऐसे ही कुछ महीने बीत गये, अब मैं भी आशीष से खुलकर बात करने लगी।

आखिर अब मैं इस घर में नई नहीं थी, अपना अधिकार समझने लगी थी, अब आशीष का यह व्यवहार मुझे कुछ अजीब लगने लगा था, आशीष का सैक्स करने का तरीका मेरे ज्ञान से कुछ अजीब था पर मैं बहुत चाहकर भी आशीष से इस बारे में बात नहीं कर पा रही थी।

हाँ यह जरूर था कि आशीष के साथ रोज रात को मैं खुलकर खेल लेती थी और शायद मैं उससे संतुष्ट भी थी पर अब ज्यादा पाने की चाहत होने लगी थी।एक दिन मैंने खुद ही एक मजबूत निर्णय लिया, मैंने दिन भर कुछ सोचा और रात को उस पर अमल करने का निर्णय लिया।

उस रात को मैं रोज की तरह नहा धोकर अच्छे से तैयार होकर आशीष का इंतजार करने लगी। आशीष की अपनी नित्यचर्या को पूरा करके रात को 10 बजे अपने कमरे में आये।

अन्दर आते ही उन्होंने मुझे गले से लगाया और मेरे होंठों पर एक प्यारी सी चुम्मी दी। मैंने भी बढ़कर उनका स्वागत किया और बदले में उससे भी प्यारी चुम्मी उनके होंठों पर दी।

हम लोग बिस्तर पर बैठकर बातें करते करते टी वी देख रहे थे। धीरे से आशीष से एक हाथ आगे बढ़ाकर मेरी गोलाइयों को सहलाना शुरू कर दिया।

मुझे आशीष का यों सहलाना सदा से बहुत पसन्द है, मैं आशीष की ओर थोड़ा झुक गई ताकि उनको आसानी हो, हुआ भी यही… अब आशीष को आसानी हुई और उन्होंने मेरे गाऊन को आगे से खोलकर अपने दोनों हाथों में मेरे दुग्धकलश थाम लिये।आहह…

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

हहहहहह… क्या अहसास था?

मैंने कस कर आशीष को पकड़ लिया और अपने होंठ आशीष को होंठों से सटा दिये।

आशीष मेरे होंठों का कामुक रस पीने लगे और दोनों हाथों से मेरे गोरे और बड़े स्तनों की घुंडियों को सहला रहे थे। माँऽऽऽऽ…रे… क्या सुखद अनुभूति थी ! उसको बयान करना भी मुश्किल था।

आशीष से मेरे गाऊन के बचे हुए बटन भी खोल दिये और गाऊन को मेरे बदन से अलग कर दिया। अब मैं सिर्फ पैंटी में थी। आशीष मेरे बांयें कान के नीचे लगातार चूमते जा रहे थे।

मेरे पूरे बदन में गुदगुदी होने लगी।
आशीष को मेरा गोरा बदन चाटना बहुत पसन्द था और मुझे चटवाना।

मैंने भी धीरे धीरे-आशीष की कमीज के बटन खोलकर उनके बदन से अलग कर दिया, बनियान आशीष ने खुद ही उतार दी।

अब वो भी सिर्फ एक पायजामा और अंडरवीयर में थे। आशीष मेरी गर्दन को चूमते और चाटते जा रहे थे, धीरे धीरे उनके होंठों ने मेरे बांये चुचुक पर कब्जा जमा लिया दायाँ चुचुक अभी भी उनकी ऊँगलियों के बीच में मचल रहा था।ऊफ्फ्फ… क्या कामुक अहसास था… आशीष का दांया हाथ मेरी पैंटी के अन्दर जा चुका था।

मैंने आज सुबह ही खास आशीष के लिये अपनी योनि के चारों ओर के बालों को हटाकर उसको बिल्कुल मक्खन जैसी चिकनी बनाया था मैं चाहती थी कि आज आशीष पूरा ध्यान मेरी इस चिकनी चमेली पर ही हो।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

आशीष अपने एक हाथ से मेरी इस चिकनी चमेली को सहला रहे थे और दूसरे हाथ से मेरी चूचियों से खेल रहे थे, उनके होंठों का रस लगातार मेरे चुचूकों पर गिर रहा था।

आशीष ने पता नहीं कब मेरी पैंटी भी निकाल दी। अब मैं पूरी नंगी होकर अपना रूप यौवन आशीष की नजरो में परोसने लगी।

आशीष मुझे अति कामुक नजरों से देख रहे थे जिसका असीम आनन्द मैं लगातार अनुभव कर रही थी।

मेरा पूरा बदन कांप रहा था, मैं अपने हाथों से आशीष को सहला रही थी। आज मैं आशीष को इतना गरम कर देना चाहती थी कि वो आज मेरे काम जीवन के अधूरेपन को खुद ही पूरा कर दें।

मैंने आशीष को बिस्तर पर गिरा लिया, अब मैं आशीष के ऊपर आ गई, मैंने आशीष के होंठों को अपने होंठों में लेकर ऐसे ही चूसना शुरू कर दिया जैसे आशीष कल तक मेरे होंठों को चूसते थे।

उनके होंठों का कामुक रस जैसे मेरे बदन में आग लगा रहा था मैं तो खुद ही इस आग में जलने को तैयार थी। मैंने आशीष की गर्दन और छाती को चूमना शुरू कर दिया।

जिस तरह आशीष मेरे बदन तो सिर से पैर तब चूमते थे आज वो ही मैं करने लगी उनके साथ। आहहहह… इस बार सिसकारी आशीष ने ली।

मुझे आशीष को ऐसे प्यार करना अच्छा लग रहा था। मैंने अपनी दोनों चूचियों को आशीष के बदन पर रगड़ना शुरू कर दिया। सीईईईईई… मैं तो जैसे जन्नत में थी।

आज सब उल्टा हो रहा था आशीष ने अति उत्तेजना में बिस्तर की चादर को पकड़ लिया।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैं तो आशीष के ऊपर चढ़कर बैठ गई। अपने स्तनों को आशीष के बदन पर रगड़ते रगड़ते मैं आशीष की छाती से होते हुए पेट पर आ गई और बड़ी अदा के साथ आशीष के पायजामे को नीचे सरकाना शुरू कर दिया।

आशीष भी नितम्ब उठाकर मेरा साथ देने लगे। आशीष के नितम्ब ऊपर होते ही मैंने तेजी आशीष का पायजामा निकाल कर फेंक दिया।

पाठकगण अपनी प्रतिक्रिया अवश्य दें।
कहानी जारी रहेगी।
me.funny123@rediffmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

टीचर जी की बरसों की प्यास और चूत चुदाई-1

अन्तर्वासना हिन्दी सेक्स स्टोरी पढ़ने वाले सभी पाठकों को मेरा नमस्कार ! मेरा नाम आकाश है, मेरी उम्र 28 साल है, मैं एक साधारण परिवार का साधारण नौजवान हूँ। मेरी हाईट 5’11” है और शारीरिक रूप से साधारण हूँ.. यानि मैं […]
Full Story >>>

32 लंडों से चुद चुकी राबिया क़ुरैशी की हिन्दी सेक्स स्टोरी-5

मैं एक बार झड़ भी चुकी थी पर मेरा जोश कम नहीं हुआ था, तभी केन और जेम्स ने लंड को बाहर निकाला और उन्होंने मुझे नादिया की गांड को चाटने के लिये कहा। उसकी गांड इनके लंड से चुदने […]
Full Story >>>

लागी लंड की लगन, मैं चुदी सभी के संग- 48

जब वेटर रूकता तो पापाजी मेरी गांड को ठोकते और जब पापा जी रूकते तो वेटर मेरी चूत की बैंड बजाता, फिर दोनों ने अपना वीर्य मेरे पेट पर गिरा दिया। वेटर के जाने के बाद मैंने पापाजी को मालिश […]
Full Story >>>

नौकरी के लिए चूत चुदाई की शर्त

दोस्तो.. मेरा नाम राज जैन है.. मैं अन्तर्वासना बहुत सालों से पढ़ता आ रहा हूँ। मैं अन्तर्वासना की सेक्सी कहानियां पढ़कर रोज मुठ मारता था। सभी की सेक्सी कहानियां पढ़ने के बाद आज मैं भी पहली बार अन्तर्वासना पर कहानी […]
Full Story >>>

जयपुर की बस यात्रा में मिली अनजानी चूत-1

नमस्कार दोस्तो.. मेरा नाम कुन्दन है, जयपुर का रहने वाला हूँ। यह मेरे जीवन की एक सच्ची घटना है। इस घटना के समय में जयपुर से बाहर एक कंपनी में काम करता था। बात तब की है जब जयपुर में […]
Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Tamil Scandals

சிறந்த தமிழ் ஆபாச இணையதளம்

IndianPornVideos.com

Indian porn videos is India's biggest porn video tube site. Watch and download free streaming Indian porn videos here.

Desi Kahani

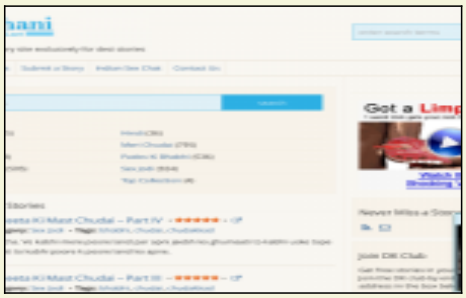

India’s first ever sex story site exclusively for desi stories. More than 3,000 stories. Daily updated.

Indian Porn Live

Go and have a live video chat with the hottest Indian girls.

Delhi Sex Chat

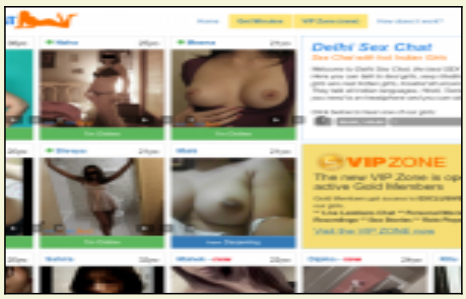

Are you in a sexual mood to have a chat with hot chicks? Then, these hot new babes from DelhiSexChat will definitely arouse your mood.

Antarvasna

अन्तर्वासना के पाठकों के प्यार ने अन्तर्वासना को दुनिया की सर्वाधिक पढ़े जाने वाली सर्वश्रेष्ठ हिन्दी व्यस्क कथा साईट बना दिया है। अन्तर्वासना पर आप रोमांटिक कहानियाँ, सच्ची यौन घटनाओं पर आधारित कहानियाँ, कपोल कल्पित सेक्स कहानियाँ, चुटकले, हास्य कथाएँ पढ़ रहे हैं। Best and the most popular site for Hindi Sex Stories about Desi Indian Sex. अन्तर्वासना पर आप भी अपनी कहानी, चुटकले भेज सकते हैं!

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire